देहरादून । मंगलवार । 25 जून 2013

D ३३३ वर्ष 17 अंक 120, पृष्ठ : 16 मूल्य : ₹ 3.50

अमर उजाला

भारी पड़ेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले तीन दिन राज्य भर में बारिश का सिलसिला कायम रहने वाला है। आपदा प्रभावित चमोली और उत्तरकाशी जिलों में भी भारी बारिश की आशंका है।

राहत की राह में बाधाओं के पहाड़

मुश्किल हालात के बीच चार हजार से ज्यादा यात्री निकाले गए, हजारों फंसे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ीं

557

मौतों की पुष्टि। 22 जून को भी मुख्य सचिव ने इतनी ही मौतों की जानकारी दी थी

सोमवार को निकाले

- 402 यात्री हर्षिल से
- 351 यात्री मनेरी और 77 भटवाड़ी से निकले
- 1700 यात्री बदरीनाथ धाम से। इनमें से 160 एयरलिफ्ट
- 200 यात्री यमुनोत्री घाटी से
- 1470 लोग जोशीमठ से (ये सभी लोग पहले बदरीनाथ, घांघरिया, पुलना जैसी खतरनाक जगहों से निकालकर लाए गए थे।)
- 1000 लोग जगह-जगह से सड़क मार्ग से रवाना

अब भी फंसे हैं

- 2500 श्रद्धालु और 2000 स्थानीय लोग बदरीनाथ में
- 1250 यात्री हर्षिल में
- 200 लोग मनेरी में और 40 यात्री भटवाड़ी में फंसे हैं
- 1500 लोग अलकनंदा नदी के तट पर चमोली जिले के लामबगड़ में फंसे हैं (ये वो यात्री हैं, जो जगह-जगह से बचाकर यहां लाए गए हैं। उफनाई नदी के चलते एक-एक कर लोगों को निकाला जा रहा है। यहां एक रस्सी के सहारे आधे घंटे में पार हो रहा है एक व्यक्ति।)

संख्या पर भ्रम

शासन के मुताबिक रुद्रप्रयाग, चमोली व उत्तरकाशी जिलों में फंसे तीर्थयात्रियों की संख्या अब चार हजार है। हालांकि, कई जगह यात्रियों की संख्या को लेकर मिल रही सूचनाओं को देखें तो यह आंकड़ा काफी कम लगता है। ऐसे में बचे और निकाले लोगों की संख्या पर भ्रम बना हुआ है।

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। हजारों फंसे लोगों को बचाने की राह में सोमवार को भी बाधाओं के पहाड़ खड़े रहे। सोमवार को बारिश, बादल और घाटियों में छाई धुंध मुसीबत में फंसे लोगों और जवानों का इम्तिहान लेती रही। लेकिन मुश्किलों से लड़कर सेना, आईटीबीपी और एनडीआरएफ के जवानों ने चार हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। इनमें से ज्यादातर को बेहद दुर्गम रास्तों से पैदल निकाला गया। सैकड़ों लोग हेलीकॉप्टर से भी निकाले गए। शासन के मुताबिक अब भी चार हजार लोग बेहद मुश्किल हालात में फंसे हैं, जिन्हें मंगलवार को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाएगा।

दिक्कत यह है कि सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए सैकड़ों लोग भी कई जगह बारिश, ठंड और भूस्खलन की आशंका के बीच असुरक्षित स्थिति में पहुंच गए हैं। ऐसे ही डेढ़ हजार यात्री वे हैं, जो बदरीनाथ धाम से तो निकल आए हैं लेकिन चमोली जिले के लामबगड़ में फंस गए हैं। ये यात्री अलकनंदा के तट पर खतरों और आशंकाओं के बीच खुले आसमान के नीचे रात बिताने का मजबूर हैं। मंगलवार को और तेज बारिश की आशंका है। ऐसे में फंसे हुए चार से पांच हजार लोगों को निकालना और मुश्किल काम होगा। सोमवार को चमोली जिले में दिनभर बादल छाए रहे और शाम पांच बजे से बदरीनाथ, जोशीमठ, गोविंदघाट आदि क्षेत्रों में हल्की बारिश शुरू हो गई। उधर, रुद्रप्रयाग में दिनभर बादल छाए रहे और शाम पांच बजे से केदारघाटी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश शुरू हो गई।

लामबगड़ में नदी किनारे फंसे यात्रियों को राहत सामग्री देता सेना का हेलीकॉप्टर।

अमर उजाला फाउंडेशन उत्तराखंड रिलीफ फंड

पिछली प्राप्त राशि - ₹5,00,000

22 और 23 जून को प्राप्त राशि - ₹1,96,570

23 जून तक कुल ₹6,96,570

AMAR UJALA FOUNDATION

अब महामारी की भी आशंका

देहरादून। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में महामारी की आशंका को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। केंद्र ने रोकथाम के लिए छह विशेषज्ञ देहरादून भेजे हैं। इनके जिम्मे विभिन्न क्षेत्रों में सैंपलिंग सर्वेक्षण की रहेगी। हरिद्वार में भी डायरिया का मामला सामने आया, जहां विशेषज्ञों की टीम भेजी गई है। हालांकि विभाग का दावा है कि अभी तक इक्का-दुक्का मामले सामने आए हैं। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रदेश और अन्य राज्यों से आए लगभग 409 चिकित्सक प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर दिए गए हैं।

कोई भी राज्य सीधे बचाव कार्य नहीं कर सकेगा

उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए कोई भी प्रदेश सरकार अब राहत और बचाव कार्य सीधे नहीं कर सकेगी। इसके लिए इन प्रदेशों को उत्तराखंड सरकार के जरिए ही अभियान चलाना होगा। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने यह कदम गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दावे के बाद उठाया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने 15000 गुजरातियों को उत्तराखंड से निकाला है। यहां बचाव और राहत कार्य को लेकर राजनीति भी हो रही है।

क्या-क्या बाधाएं

1 बदरीनाथ से जोशीमठ : यहां दोपहर 12 बजे के बाद हवाई अभियान शुरू हुआ और दोपहर तीन बजे बंद हो गया। पैदल मार्ग से 1200 लोगों को लामबगड़ का वर्मा पुल पार करवाने में आईटीबीपी और सेना को खासी दिक्कतें झेलनी पड़ी। इसके स्थान पर हैलीब्रिज बनाकर लोगों को निकाला।

2 हर्षिल से उत्तरकाशी : धरासु में हैलीकाप्टर सेवा सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक चली। 5 एमआई-17 हेलीकाप्टरों ने उड़ानें भरकर हर्षिल से 402 लोगों को चिन्यालीसौड़ पहुंचाया। यहां खराब मौसम सबसे बड़ा बाधक है। यहां पर सेना ने गाड़ियां चलाईं, लेकिन अभियान बारिश से प्रभावित रहा।

3 देहरादून : जौलीग्रांट और सहस्त्रधारा से हेलीकाप्टर शाम चार बजे तक उड़ान भरने को जूझते रहे। वायुसेना ने सुबह 10 बजे उड़ानें भरी लेकिन देवप्रयाग के पास भारी धुंध के कारण लौटना पड़ा। ऐसे में राहत सामग्री ले जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

4 केदार घाटी : दोपहर एक बजे तक गौचर से हेलीकाप्टर गुप्तकाशी को उड़ान नहीं भर सके। जंगलचट्टी से दो उड़ाने संभव हो पाई हैं। लगभग डेढ़ सौ यात्री पैदल निकाले गए हैं। इन यात्रियों को भी रास्ते में खराब मौसम की वजह से निकालना मुश्किल हो रहा है।

पैठाणी में बादल फटा

पैठाणी। राठ क्षेत्र के कनाकोट गांव के पास रविवार की देर रात एक बजे बादल फटने से पैठाणी बाजार में तबाही मच गई। कनाकोट से बहकर आया मलबा पैठाणी बाजार में कई भवनों को तोड़ते हुए दुकानों में जा घुसा। बाजार में दो आटा चक्की और एक भवन क्षतिग्रस्त हो गया। विस्तृत पेज 2 पर

गौचर पहुंचे राहुल

पौड़ी। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी आपदा प्रभावित इलाकों का जायजा लेने सोमवार को गौचर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से आपदा प्रभावित इलाकों में हुए नुकसान और राहत कार्यों की जानकारी ली। राहुल शाम को सड़क मार्ग से पौड़ी सर्किट हाउस पहुंचे थे। संबंधित अंदर के पेज पर